केन्द्रीय विद्यालय नं. 1
नीमच (म.प्र.)

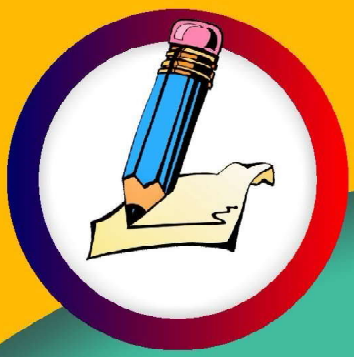

अंकुर

Ankur

KENDRIYA VIDYALAYA No. 1, NEEMUCH

केन्द्रीय विद्यालय नं. 1 नीमच परिवार

संपादक मण्डल

विद्यालय 'ई' पत्रिका - 2018-19

संपादक मंडल

मुख्य संरक्षक – श्री सोमित श्रीवास्तव

उपायुक्त के.वि.सं. भोपाल संभाग

संरक्षक

श्री ए. के. दीक्षित

प्राचार्य

उप - संरक्षिका

श्रीमती सी. पारगी

उप-प्राचार्या

परामर्शदाता

श्री प्रदीप यादव

प्रधानाध्यापक

प्रधान सम्पादक

श्री बी. एल. मीना

स्नातकोत्तर शिक्षक, हिंदी

:: सह सम्पादक मंडल ::

हिन्दी - संस्कृत

1. श्री डी. के. सोलंकी
   (प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक)
2. श्री आर. पी. बैरवा
   (प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक)
3. श्री डॉ. मनीष जोशी
   (प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक)
4. श्रीमती आर. के. राणा
   (प्राथमिक शिक्षिका)
5. श्रीमती अमिता पाठक
   (प्राथमिक शिक्षिका)
6. कु. चार्वी माली
   (छात्रा - कक्षा 11-अ)
7. मास्टर लक्षित शर्मा
   (छात्रा - कक्षा 6-द)

अंग्रेजी

1. श्री कुलदीप रावल
   (प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक)
2. श्रीमती माधुरी यादव
   (प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक)
3. श्रीमती अंजना रोजारियो
   (प्राथमिक शिक्षिका)

राजीव रंजन कुमार

सत्यमेव जयते

आ०शा० पत्र संख्या..
D.O.No.एम-पाँच-1 (केवि)/2018-पी.ए.
पुलिस उप महानिरीक्षक-सह-प्रबंधक
Dy Insp Genl of Police-Cum-Chairman
विद्यालय प्रबन्ध समिति, के.वि. क्रमांक-1
Vidyalaya Management Committee, K.V.No.1,
ग्रुप केन्द्र, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल,
Group Centre, Central Reserve Police Force,
नीमच, मध्य-प्रदेश - 458441
Neemuch, Madhya Pradesh-458441
दिनांक/Dated : 03 December2018

प्रिय पाठकगण,

केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-1, नीमच के विद्यालय परिवार के प्रत्येक सदस्य के सम्मिलित एवं सार्थक प्रयास का परिणाम है कि विद्यालय की वार्षिक पत्रिका अंकर आपके हाथों में है। निश्चित रूप से किसी भी बालक-बालिका की प्रथम पाठशाला उसका अपना परिवार होता है तथा प्रथम शिक्षक/शिक्षिका उसकी माँ होती है, परन्तु यह भी अक्षरश: सत्य है कि इन्हीं बालक-बालिकाओं में छिपी हुई विभिन्न प्रतिभाओं को निखारने का कार्य हमारे शिक्षक-शिक्षिकाएं करते हैं तथा देश के स्वर्णिम भविष्य का निर्माण करते हैं।

इस पत्रिका के माध्यम से हमारे विद्यालय परिवार ने विद्यालय में अध्ययनरत् छात्र-छात्राओं में छिपी हुई लेखन क्षमता का आंकलन करते हुए उनके विभिन लेखों, रचनाओं एवं संकलन के मोतियों को एक पत्रिका रूपी माला में पिरोकर आपके समक्ष प्रस्तुत किया है। आशा है यह पत्रिका पाठकों के मानस पटल पर अपनी गहरी छाप छोड़ेगी।

शुभकामनाओं सहित।

(राजीव रंजन कुमार)

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN
क्षेत्रीय कार्यालय/BHOPAL REGION
E.Mail : acbhopal@yahoo.com

Phone : 2550728 (DC)
2551678 (ACs)
2551699 (AO/FO)
Fax : 0755-2553126

Opp. Maida Mills
Bhopal-462011

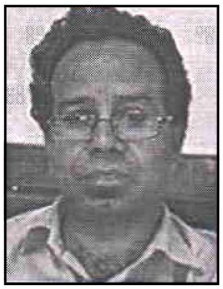

दिनांक : 26.11.2018

संदेश

यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि केन्द्रीय विद्यालय, क्रमांक 1 नीमच सत्र 2018-19 के लिए विद्यालय पत्रिका का प्रकाशन करने जा रहा है।

पत्रिका छात्र-छात्राओं में छिपी प्रतिभा को उजागर करने का एक अच्छा प्रयास है। पत्रिका अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास का सशक्त माध्यम बनेगी एवं संस्था के होनहार छात्र-छात्राओं को एक आदर्श व्यक्तित्व के रूप में समाज के सामने प्रस्तुत करने में अभिन्न भूमिका निभा सकेगी। मुझे पूर्ण विश्वास है कि जय पत्रिका सृजनात्मकता को नई पहचान देने तथा छात्रों के नवोत्थान को प्रदर्शित करने का माध्यम होगी।

पत्रिका प्रकाशन के पुनीत एवं अनुपम प्रयास के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई।

(सोमित श्रीवास्तव)
उपायुक्त

प्राचार्य
केन्द्रीय विद्यालय
क्रमांक 1 नीचम

प्राचार्य की कलम से.....

छात्र–छात्राओं की रचनात्मक प्रतिभा को प्रदर्शित करने और उसमें निखार लाने का सबसे प्रभावशाली माध्यम है विद्यालय की पत्रिका। यूँ तो छात्र–छात्राओं में रचनात्मक प्रतिभा बहुत अधिक होती है परंतु आवश्यकता इस बात की है कि उन्हें उचित मार्ग दर्शन मिले। बच्चों को अपनी मौलिक अभिव्यक्ति के लिए पूरी स्वतंत्रता होनी चाहिए तभी वे अपने मन की बात लिखना सीख सकेंगे।

विद्यालय–पत्रिका विद्यालय की शैक्षणिक, सहशैक्षणिक, सांस्कृतिक, खेलकूद, संगीत, कला आदि संपूर्ण गतिविधियों का प्रतिबिंब है। मैं विद्यालय के शिक्षकों एवं बच्चों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करता हूँ जिन्होंने अथक परिश्रम कर इस विद्यालय पत्रिका को प्रकाशित करने में योगदान दिया।

हमें विश्वास है कि हमारे पाठकगण उभरती नन्हीं प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देंगे साथ ही अपने अमूल्य सुझावों से मार्गदर्शन करेंगे।

ए 0के0 दीक्षित
प्राचार्य

KENDRIYA VIDYALAYA NEEMUCH NO. 1

OVERALL RESULT TO CLASS XII-2017-18

S.No.	Name of KV	Total No. of Student Appeared	Total No. of Student Passed	Total No. of Student Comp.	Total No. of Student Fail	Overall Pass %
1	No.01 Neemuch	117	96	18	3	82.05%

STREAM WISE TOPPERS LIST

Stream Wise	Name of Students	Position	Total Marks	Marks Obtained	Percentage %	Contact No.
Science	Kanishka Upadhaya	1st	500	452	90.4	9969578113
Commerce	Mehvish Syed	1st	500	405	81	9993720286
Humanities	Shubham Dangi	1st	500	458	91.6	7000125097

Kanishka Upadhaya
1st 90.4%
SCIENCE

Mehvish Syed
1st 81 %
COMMERCE

Shubham Dangi
1st 91.6%
HUMANITIES

KENDRIYA VIDYALAYA NEEMUCH NO. 1

OVERALL RESULT TO CLASS X-2017-18

Name of KV	Total No. of Student Appeared	Total No. of Student Passed	Total No. of Student Comp.	Total No. of Student Fail	Overall Pass %	1st Div.	2nd Div.	3rd Div.
No.01 Neemuch	106	106	0	0	100%	66	40	-

STREAM WISE TOPPERS LIST

Aastha Jain
1st 93.4% (500/467)
Mb. 883967743

Rishabh Singh
2nd 90.4% (500/452)
Mb. 9454190406

Bhavna Shiv
3rd 90% (500/450)
Mb. 9479441597

विद्यालय प्रबंध समिति

1.	अध्यक्ष	– **श्री राजीव रंजन कुमार** पुलिस उप महानिरीक्षक, समूह केन्द्र, के. रि. पु. ब. नीमच
2.	सदस्य (अध्यक्ष द्वारा नामित)	– **श्री मनोज कुमार** कमांडेंट, के.रि.पु.ब., समूह केन्द्र, नीमच
3.	सदस्य (शिक्षाविद्)	– **डॉ. एन. के. डबकरा** प्राचार्य, शा. सीताराम जाजू कन्या महाविद्यालय, नीमच
4.	सदस्य (शिक्षाविद्)	– **श्रीमती साधना सेवक** सहायक प्राध्यापक, शा. सीताराम जाजू कन्या महाविद्यालय, नीमच
5.	सदस्य (सांस्कृतिक क्षेत्र)	– **श्री पी. सी. शर्मा** सेवा निवृत्त स्नातकोत्तर शि. के. वि., नीमच
6.	सदस्य (अभिभावक)	– **प्रोफेसर संजय जोशी** पिता- कु. केलजा जोशी, कक्षा 12वीं कला
7.	सदस्य (अभिभावक)	– **श्रीमती संध्या सिंह** माता - मा. हितार्थ कुमार, कक्षा-I ब
8.	सदस्य (डॉक्टर)	– **डॉ. अनिल दुबे** जिला चिकित्सालय, नीमच
9.	सदस्य (अ.जा./अ.ज.जा. प्रतिनिधि)	– **श्री आर. सी. मेघवाल** सहा. प्रोफेसर, शासकीय महाविद्यालय, जावद
10.	सदस्य (तकनीकी अधिकारी)	– **श्रीमती प्रमिला जैन** प्राथमिक अध्यापिका, के.वि.क्र.1, नीमच
11.	सदस्य (सहकारिता)	– **श्री के. बाबर** सेवा निवृत्त (डी.ई.ओ.) शिक्षक कॉलोनी, नीमच
12.	सदस्य (शिक्षक)	– **श्री एस. सी. जैन** सहा. इंजीनियर, सी.पी.डब्लू.डी., नीमच
13.	सदस्य (सचिव)	– **श्री ए. के. दीक्षित** प्राचार्य, के. वि. क्र. 1, नीमच

संस्कृत विभागः

संस्कृत-श्लोकाः

1. उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः।
   न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः।।

2. वाणी रसवती यस्य, यस्य श्रमवती क्रिया।
   लक्ष्मीः दानवती यस्य, सफलं तस्य जीवितं।।

3. प्रदोषे दीपकः चन्द्रः, प्रभाते दीपकः रविः।
   त्रैलोक्ये दीपकः धर्मः, सुपुत्रः कुलदीपकः।।

4. प्रियवाक्य प्रदानेन, सर्वे तुष्यन्ति मानवाः।
   तस्मात् प्रियं वक्तव्यम्, वचने का दरिद्रता।।

5. सेवितव्यो महावृक्षः, फलच्छाया समन्वितः।
   यदि देवाद् फलं नास्ति, छाया केन निवार्यते।।

6. देवो रुष्टे गुरुस्त्राता, गुरो रुष्टे न कश्चनः।
   गुरुस्त्राता गुरुस्त्राता गुरुस्त्राता न संशयः।।

खुशी वलेचा
कक्षा-8वीं स

चाणक्य-नीति श्लोकाः

1. अन्तर्गतमलो दुष्टस्तीर्थस्नानशतैरपि।
   न शुध्यति यथा भाण्ड सुराया दाहितं च यत्।।

2. सत्यं मातापिता ज्ञानं धर्मो भ्राता दया स्वसा।
   शान्तिः पत्नी क्षमा पुत्रः षडेते मम बान्धवाः।।

3. आत्मद्वेषात् भवेन्मृत्युः परद्वेषात् धनक्षयः।
   राजद्वेषात् भवेत् नाशो, ब्रह्मद्वेषात् कुलक्षयः।।

4. रङ्कं करोति राजानं राजानं रङ्कमेव च।
   धनिनं निर्धनं चैव निर्धनं धनिनं विधिः।।

5. येषां न विद्या न तपो न दानं ज्ञानं न शीलं न गुणो न धर्मः।
   ते मर्त्य लोके भुवि भारभूता मनुष्यस्वरूपेण मृगाश्चरन्ति।

6. यस्या नास्ति स्वयं प्रव्ता शास्त्रं तस्य करोति किम्।
   लोचनाभ्यां विहीन स्य दर्पणः किं करिष्यति।

7. एकवृक्षसमारुढ़ा नाना वर्णा विहङ्गमाः।
   प्रभाते दशसु दिक्षु तत्र का परिवेदना।।

अर्पिता दीक्षित
कक्षा 8 अ

श्लोका:

गुण गुणज्ञेषु गुणा भवन्ति
ते निर्गुणं प्राप्य भवन्ति दोषाः।
सुस्वादुतोयाः प्रभवन्ति नद्यः
समुद्रमासाद्य भवन्तयपेयाः।।

अर्थ : गुणवान व्यक्ति के गुण तभी तक गुण बने रहते हैं जब तक कि वह गुणवान लोगों के साथ रहता है। यदि गुणवान बुरे लोगों के साथ रहने लगता है तो उसके गुण भी दोषों में बदल जाते हैं। जैसे मीठे पानी वाली नदियाँ जब खारे पानी वाले समुद्र में जाकर मिलती हैं तो उनका मीठा पानी भी खारा हो जाता है।

स्त्रियां रोचमानायां सर्व तद् रोचते कुलम्।
तस्यां रोचमानायां सर्वमेव न रोचते।।

अर्थ : जिस परिवार में महिलाएं प्रसन्न रहती हैं उस परिवार के सभी कार्य सफल होते हैं और जिस परिवार की महिलाएं दुखी रहती हैं उस परिवार के सभी कार्य असफल हो जाते हैं।

महंता प्रकृति सैव वर्धितानां परैपि।
न जहाति निजं भावं संख्यासु लाकतिर्यथा।

अर्थ : जैसे यात्रियों की संख्या में कमी या वृद्धि के आधार पर नाव अपने आकार को तथा 9 का अंक किसी भी अंक से गुणा किये जाने पर भी अपने स्वरूप को नहीं बदलता है, उसी प्रकार महापुरुष भी दूसरों के सुख-दुख में वृद्धि को देखकर अपना स्वभाव नहीं बदलते।

प्रियंका डांगी
कक्षा 8 अ

श्लोका:

1. गुरु ग्रह गऐ पढ़न रघुराई अल्प काल विद्या सब आई।
2. कराग्रे वसते लक्ष्मी, कर मध्ये सरस्वती कर मूले तु गोविन्दम, प्रभाते कर दर्शनम्।
3. ब्रह्मा मुरारी स्त्रिपुरान्तकारी, भानुः शशी भुमिसुतोबुधश्च गुरुश्च शुक्रः शनि राहु केतवः, कुर्वन्तु सर्वे मम् सुप्रभातम्।
4. समुद्र वसने देवि, पर्वतस्तनमण्डले विष्णुपत्नि नमस्तुभ्यं, पादस्पर्शक्षमस्व में।

अदिति शर्मा
कक्षा 6 द

सफलता याः सूत्रम्

आत्मानं रथिनं विद्धि शरीरं रथमेव तु।
बुद्धि तु सारथि विद्धि मनः प्रग्रहमेव च।
इन्द्रियाणि हानाहुर्विषस्तेषु गोचरान्।
आत्मेदिन्द्रय मनोयुक्त भोक्तेत्याहुर्मनीषिणः।।

अर्थः शरीर रूपी रथ में आत्मा रथ है, बुद्धि सारथी व मन लगाम है। इन्द्रिय रूपी छोड़े विषय रूपी पथों पर दौड़े जा रहे हैं। जो प्रज्ञावान होकर मन रूपी लगाम को कसकर रखते हैं और इन्द्रियों के विषय-भोग-वासनाओं रूपी कुपथों से बचकर सत्य, संयम व सदाचार रूपी योग मार्ग पर चलते हैं, वे ही अपनी मंजिल पाते हैं।

वन्दना भट्ट
कक्षा 8 ब

मम विद्यालयः

अस्ति एकः विद्यालयः,
सः केन्द्रीय विद्यालयः।
अस्ति अत्र शिष्टाचारः
कारणमस्ति प्राचार्यः।।

नमामि शिक्षिकाः तथा शिक्षकान्,
ये पाठयन्ति अनेकान् विषयान्।
अहमस्ति अत्र तत्र सर्वत्र,
अतः कथयति सर्वदा
पठतु संस्कृतं लसतु संस्कृम्।।

सन्ति अत्र बहवः वृक्षाः,
वृक्षेषु, सन्ति पुष्पाणि।
पुष्पाणि सन्ति मधूनि।
मधुमक्षिका पुष्पाणामुपरि।।

गगन पी.
कक्षा 8 अ

हिन्दी
विभाग

बच्चों के मुख से

मैं बहुत छोटा हूँ,
मुझे नन्हे पैरों से चलने दो,
हर नए काम को,
अनुभव, ले मुझे करने दो।

संभावनाएँ मुझ में अनेक
हर सत् पथ पर मुझे चलने दो
मेरे मुक्त विचारों को
विकसित हो फलने दो।।

प्रश्न करने से मत रोके
जिज्ञासाएँ मुझ में बढ़ने दो
उत्तर भी मैं ही खोजू,
मुझे ऐसे अवसर मिलने दो।

मैं सुषुप्त छोटा बीज हूँ,
अंकुरित हो वृक्ष बनने दो,
मुझको सींचो और सम्भालो,
मुझे हर पोषण को मिलने दो।।

मुझे दुलारों प्यार करो।
और अपना अवलम्बन बनने दो,
मुझ सीमाओं में मत बांधो,
मुझे मुक्त कल्पनाओं में उड़ने दो।

कहानी, किससे खूब सुनाओ,
मुझ में जीवन आदर्श बनने दो,
तरह-तरह के खेल खिलाकर,
जीवन शक्ति बढ़ने दो।।

पथ के खतरे तो बताओ,
पर सावधान हो राह चुनने दो,
मेरा अजान आवरण हटा कर
तेज पुन्ज रवि की मिलने दो।

जीवन जीने की कला सीखूँ,
खूब क्रिया कलाप होने दो
नन्हें हाथों से आसमाँ छुँऊ
ऐसी उड़ान मुझे भरने दो।

हितांशी शर्मा
कक्षा 4 ब

बचपन

एक बचपन का जमाना था।
जिसमें खुशियों का खजाना था।
चाहत चाँद को पाने की थी।
पर दिल तितली का दीवाना था।
खबर ना थी सुबह की।
ना शाम का ठिकाना था।
थक कर आना स्कूल में,
पर खेलने भी जाना था।
माँ की कहानी थी,
परियों का फसाना था।
बारिश में कागज की नाव थी,
हर मौसम सुहाना था।
रोने की वजह न थी।
ना हँसने का बहाना था।
क्यों हो गए हम इतने बड़े।
इससे अच्छा तो वो
बचपन का जमाना था।

आदित्य नागदा
कक्षा 5 ब

पहेलियाँ

ऐसी कौनसी चीज़ है जो बच्चे को जवान और जवान को बूढ़ा बना देती है? बताओ क्या?

वो कौनसी चीज़ है जो अगर चलते-चलते थक जाए, तो उसकी गर्दन काटने पर वह वापिस चलने लग जाती है? बताओ क्या?

वो क्या है जिसे आप एक बार खाकर वापिस नहीं खाना चाहते, मगर फिर भी खाते हैं? बताओ क्या

हरी मुर्गी हरा अंडा? बताओ क्या?

उत्तर, उम्र, पेंसिल, धोखा, मटर

जानवी चन्द्रा
कक्षा 3 ब

पेड़ हमें जीवन देते हैं

पेड़ हमें उपवन देते हैं।
सुरभित सा सावन देते हैं।
इनसे सांसों का स्पन्दन,
पुलकित अंतर्मन देते हैं।
जगती का सौभाग्य इन्हीं से,
धरती का यौवन देते हैं।
इनके बिना असंभव जीना,
सीने से धड़कन देते हैं।
पलना-पलंग-लकुटिया संबल,
अंत समय तक ईंधन देते हैं,
ये सचमुच शिव शंकर से हैं,
विषय पीकर जीवन देते हैं।

कनक चौहान
कक्षा 5 अ

माँ की ममता

माँ की ममता करुणा न्यारी,
जैसे दया की चादर
शक्ति देती नित हम सबको,
बन अमृत की गागर
साया बनकर साथ निभाती
चोट न लगने देती
पीड़ा अपने ऊपर ले लेती,
सदा-सदा सुख देती,
माँ का आँचल सब खुशियों की
रंग रंग फुलवारी
इसके चरणें में जन्नत है
आनन्द की किलकारी
अदभुत माँ का रूप सलोना
बिलकुल रब के जैसा
प्रेम के सागर सा लहराता
इसका अपना अपनापन ऐसा...

शुभिका खण्डेलवाल
कक्षा - चौथी अ

घमंडी पेड़ और मुधुमक्खियाँ

किसी जंगल में दो पेड़ थे, एक आम का पेड़ और एक पीपल का पेड़। आम का पेड़ अपने स्वभव की तरह मीठा और नरम था। वही पीपल रूखा और अकडू था। एक दिन उस जंगल में एक रानी मधुमक्खी अपने साथियों के साथ रहने आयी। पीपल के पेड़ को देखकर रानी मधुमक्खी अपने साथियों से बोली यह पेड़ काफी घना और बड़ा है हम इस पर अपना घर बनाने की बात करते हैं। रानी मक्खी ने पीपल के पेड़ से पूछा कि क्या वे उस पर अपना छत्ता बना लें, इस पर पीपल के पेड़ ने गुस्सा होकर मना कर दिया। तभी आम के पेड़ ने उन्हें बुलाकर कहाँ कि आप मुझ पर अपनी छत्ता बना लीजिए मुझे खुशी होगी अगर मैं आपके काम आ सका। इस तरह रानी मक्खी और साथी आम के पेड़ पर छत्ता बनाकर रहने लगे।

एक दिन जंगल में दो लकड़हारे आये। उन्होंने पहले आम के पेड़ को देखा और उसे काटने उसके पास पहुंचे। परन्तु जब उन्होंने उस पर मधुमक्खियों का छत्ता देखा तो उन्होंने उसे काटने का विचार छोड़ दिया क्योंकि ऐसा करने पर मधुमक्खियाँ उन्हें काट लेती। फिर उन्होंने पीपल का पेड़ देखा और उसे काटने लगे। यह देखकर आम के पेड़ ने रानी मक्खी से कहा कि हमें पीपल के पेड़ की मदद करनी चाहिए। सभी मधुमक्खियों ने मिलकर लकड़हारों को भगा दिया। इस पर पीपल के पेड़ ने मधुमक्खियों से धन्यवाद कहा, तो रानी मक्खी ने कहा कि धन्यवाद आम के पेड का कीजिए। पीपल का पेड़ आम के पेड़ को धन्यवाद कहता है।

इसीलिए कहते हैं कि कोई तुम्हारे साथ बुरा करे तो यह जरुरी नहीं कि तुम भी उसके साथ बुरा करो।

शिक्षा – हमें कभी भी घमंड नहीं करना चाहिए। और दूसरों की मदद करनी चाहिए।

श्रेया एस.नायर
कक्षा – 4 ब

मंजिल

हर कदम पे संघर्ष है जिन्दगी।
बढ़ते जाओ संघर्ष करते जाओ।
कभी तो मिलेगी मंजिल तुम्हारी।।
रुक जो गये कदम रास्ते में कभी।
तो दूर हो जायेगी मंजिल तुम्हारी।।
मुड़कर व देखना पीछे कभी,
मुसीबतों से न घबराना कभी,
न छोड़ना उम्मीद का दामन कभी,
आज नहीं तो कल पास नहीं तो दूर।
कभी तो, कहीं तो, मिलेगी मंजिल तुम्हारी।।

अनुष्का चौहान
कक्षा 5 अ

घुटनों से रेंगते, रेंगते,
कब पैरों पर खड़ा हुआ।
तेरी ममता की छाँव में,
जाने कब बड़ा हुआ।
काला टीका दूध मलाई,
आज भी सब कुछ वैसा है।
मैं ही मैं हूं हर जगह,
प्यार ये तेरा कैसा है?
सीधा-साधा, भोला-भाला,
मैं ही सबसे अच्छा हूँ।
कितना भी हो जाऊँ बड़ा,
''माँ'' मैं आज भी तेरा बच्चा हूँ।

प्रज्ञा शर्मा
कक्षा 4 स

हजारों दुखड़े सहती है

हजारों दुखड़े सहती है माँ,
फिर भी कुछ ना कहती है माँ।
हमारा बेटा फले और फूले
यही तो मंतर पढ़ती है माँ।
हमारे कपड़े कलम और कॉपी,
बड़े जतन से रखती है माँ।
बना रहे घर बटे न आँगन,
इसी से सबकी सहती है माँ।
रहे सलामत चिराग घर का,
यही दुआ बस करती है माँ।
बड़े उदासी मन से जब जब,
बहुत याद में रहती है माँ।
नजर का कांटा कहते हैं सब,
जिगर का टुकड़ा कहती है माँ।
हमेशा मेरे हृदय में,
ईश्वर जैसी रहती है माँ।

फरजाना बी
कक्षा 3 द

हिम्मत करने वाले की हार नहीं होती

हिम्मत करने वाले की हार नहीं होती,
लहरों से डर कर नैया पार नहीं होती।
नन्ही चीटी जब दाना लेकर चलती है,
चढ़ती दीवारों पर सौ बार फिसलती है,
मन का विश्वास रंगों में साहस भरता है,
चढ़ कर गिरना गिर कर चढ़ना न अखरता है।

आखिर किसकी मेहनत बेकार नहीं जाती,
कोशिश करने वाले की कभी हार नहीं होती।

डुबकियाँ सिंधु से लगातार लगाता है,
जा-जा कर खाली हाथ लौट आता है।
मिलते न सहज ही मोती गहरे पानी में,
बढ़ता दूना उत्साह इसी हैरानी में।।

मुट्ठी उसकी खाली हर बार नहीं होती,
हिम्मत करने वालों की कभी हार नहीं होती।।

असफलता एक चुनौती है। स्वीकार करो,
क्या कमी रह गई देखो और सुधार करो।
जब तक सफल न हो नींद चैन को त्यागो तुम,
संघर्षों का मैदान छोड़ मत भागो तुम,

कुछ किए बिना जय-जयकार नहीं होती,
हिम्मत करने वालों की कभी हार नहीं होती।।

अभिषेक वर्मा
कक्षा 5 ब

समय

समय कभी व्यर्थ न खोना,
समय पर जागना समय पर सोना।
समय बड़ा होता बलवान,
करो सदा इसका सम्मान।
समय का पहिया चलता जाए,
कभी धूप तो छाँया ये लाये।
चेतन रहता सदा किसान,
बोया बीज, सजा खलिहान।
समय वे वाहन आते जाते,
मंजिल पर सबको पहुँचाते।
समय का करता जो अपमान,
होता उसका है नुकसान।
साथ समय के चलते जाएं,
प्यार नम्रता हम अपनाएँ।
पाएं जग यश, सम्मान,
आगे बढ़े हम बने महान।
समय से करते जो अभ्यास,
आई काहे हम भये उदास।

दिव्यांशी
कक्षा 4 ब

मेरा देश

प्यारा प्यारा मेरा देश,
सजा सवारा मेरा देश,
दुनिया जिस पर गर्व करे
नयन सितारा मेरा देश।
चाँदी सोना मेरा देश,
सफल सलाना मेरा देश,
सूरज जैसे आलौकी,
सुख का कोना मेरा देश।
फूलों वाला मेरा देश,
झूलों वाला मेरा देश,
गंगा-यमुना की माला का,
फूलों वाला मेरा देश।
आगे जाये मेरा देश,
हर पल मुस्काये मेरा देश,
इतिहास में बढ़-चढ़ कर,
नाम लिखाये मेरा देश।
प्यारा-प्यारा मेरा देश,
सजा सवारा मेरा देश।

तनिषा आर्य
कक्षा 4 अ

मेरा विद्यालय

वद्या का भण्डार भरा है जिसमें सारा।
मुझको अपना विद्यालय लगता है प्यारा।।
नित्य नियम से विद्यालय में, मैं पढ़ने को जाता हूँ।
इण्टरवल जब हो जाता, मैं टिफ़िन खोल कर खाता हूँ।
खेल-खेल में दीदी जी विज्ञान-गणित सिख
हिन्दी और सामान्य-ज्ञान भी ढंग से हमें पढ़
कम्प्यूटर सरजी हमको रोज़ लैब ले जाते हैं।
कप्यूटर में गेम खेलना सबसे ज्यादा भाता है।
माउस और कर्सर का हमको सर ने ज्ञान कराया है।
इण्टरनेट चलाना भी मुझको थोड़ा सा आया है।
जिनका घर दूर वही बालक रिक्शा से आते हैं।
जिनका घर है बहुत पास वो पैदल-पैदल जाते हैं।
पढ़-लिख कर मैं अच्छे अच्छे काम करुँगा।
दुनिया में अपने भारत का सबसे ऊँचा नाम करुंगा।।

पार्थ कुमावत
कक्षा 3 ब

पिता क्या है?

1. पिता एक उम्मीद है, एक आस है,
परिवार की हिम्मत और विश्वास है।
बाहर से सख्त अंदर से नर्म है,
उसके दिल में दफन कई गम हैं।
2. पिता संघर्ष की आंधियों में हौसलों की दीवार है,
परेशानियों से लड़ने को दो धारी तलवार है।
बचपन में खुश करने वाला खिलौना है,
नींद लगे तो पेट पर सुलाने वाला बिछौना है।
3. पिता जिम्मेदारियों से लदी गाड़ी का सारथी है
सबको बराबर का हक दिलाता यही एक महारथी है,
सपनों को पूरा करने में लगनी वाली पहचान है,
इसी से तो माँ और बच्चों की पहचान है।
4. पिता जमीर है, पिता जागीर है,
जिसके पास ये है वह सबसे अमीर है।
कहने को सब ऊपर वाला देता है ऐ संदीप
पर खुदा का ही एक रूप पिता का शरीर है।

रितिका आरजिया
कक्षा 3 द

मुझको मेरा देश पसंद है

मुझको मेरा देश पसंद है,
इसका हर संदेश पसंद है।
इसकी मिट्टी में मुझको,
आती सोंधी-सी सुगंध है।

इसकी हर एक बात निराली,
इसकी हर सौगात निराली।
इसके वीरों की गाथा सुन,
आती एक नई उमंग है।

कितनी भाषा कितने लोग,
हर एक की एक नई है सोच।
संस्कृति सभ्यता भले हो भिन्न पर,
मिलते एकता के चिन्ह।

जो गर देश पर आये आंच,
एक होकर सब आते साथ।

मेरा देश है बड़ा महान्,
ये है एक गुणों की खान।

देखली हमने सारी दुनिया,
पर देखा न भारत जैसा।
इस मिट्टी में जनम लिया है,
इसकी हवाओं की ठंडक से,
सांसे पाती नया जनम है,
मुझको मेरा देश पसंद है।

नन्दनी मीना
कक्षा 2 द

कितनी अच्छी बात

कितनी अच्छी बात, सुनो जी,
कितनी अच्छी बात।

सदा चाँद, चाँदनी लुटाता,
झरना सबकी प्यास बुझाता।
पेड़ सदा सबको फल देते,
सूरज संग उजाला लाता।।

ख़ुद जल कर, देता दीपक
अंधकार को मात।
ठीक समय पर मौसम आते,
अपना-अपना रंग जमाते।

बड़े प्यार से सब दे जाते।
इनके साथ खेलते रहते
देखो जी दिन-रात।

तनिष बाडिका
कक्षा 2 अ

पेड़ बड़े

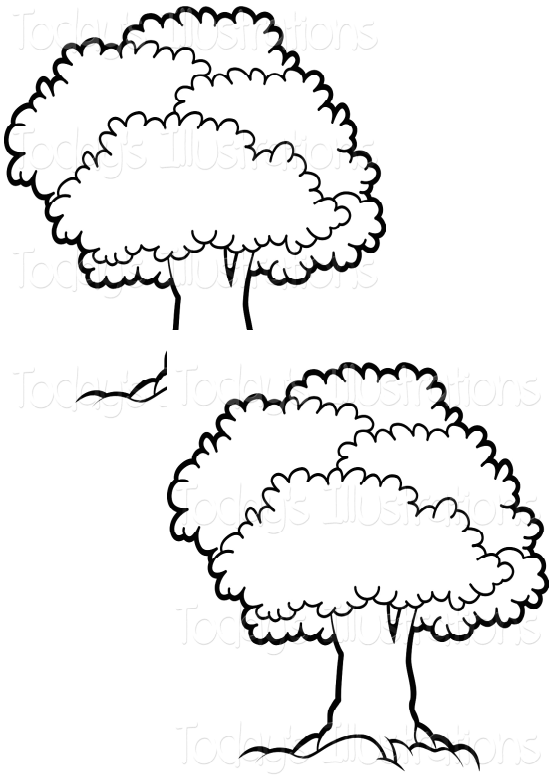

हरे-भरे ये पेड़ बड़े,
हरदम रहते ये खड़े।
बारिश में ये खूब नहाते,
डाली-डाली फूल खिलाते,
तेज़ धूप से हमें बचाते,
हम छाया में इनकी सो जाते।
मीठे फल से हमें खिलाते,
परोपकार का पाठ पढ़ाते।

खुशी यादव
कक्षा 1 स

जब बोलो, तब हँसकर बोलो

जब बोलो, तब हँसकर बोलो।
बातों में मिसरी-सी घोलो।
जब बोलो, तब सच-सच बोलो।
कभी न बातें रच-रच बोलो।
जब बोलो, तब झुकर बोलो,
सोच-समझकर रुककर बोलो।
अपने मन की बातें खोलो,
जब बोलो तब हँसकर बोलो।।

आरव
कक्षा 1 स

स्वच्छ भारत

साफ रहें हम, फिर सोचेंगे हम,
गंदगी का यह कैसा हटेगा तम।
साफ रहे स्वयं फिर घर साफ रखें हम,
गली व विद्यालय को भी साफ करेंगे हम।
आगे सोचो कैसे हटेगा,
गंदगी का यह तम,
स्वच्छ हो ये देश
सपना बापू का था
इस सपने को पूरा करना,
मोदी का था है और रहेगा।।

प्रत्युषा कदम
कक्षा 5 ब

मेरी प्रिय अध्यापिका

घर छोड़ कर शुरू-शुरू में,
स्कूल चला जब आता था।
माँ को याद कर कर के,
मैं बहुत आंसू बहाता था।
फिर प्यारी अध्यापिका ने,
प्यार से मुझको समझाया,
मैं भी तो माँ जैसी ही हूँ,
कह कर मुझको सलहाया,
अपनी प्यारी शिक्षिका को,
धन्यवाद देना चाहता हूँ, कहना,
आप हमेशा नन्हें मुन्नों,
संग बस ऐसे ही रहना।

अभिनव हूडा
कक्षा 1 स

बेटी

बेटी घर के मन्दिर में रखी ज्योती के समान है।
बेटी उपवन में बसी खुशबू के समान है।
बेटी दिल में धड़कन के समान है।
बेटी मरुभूमि में शीतल छाया के समान है।
बेटी चिड़ियों की चहक के समान है।
बेटी वेदों की ऋचा के समान है।
बेटी ओस की बूंद है।
बेटी खुशियों का सागर है।
बेटी फूल की क्यारी है।
बेटी ईश्वर का वरदान है।
बेटी मां का अरमान है।
बेटी पिता का अभिमान है।
बेटी भाई की शान है।

नव्या विश्नोई
कक्षा 2अ

हाय रे परीक्षा

जिस ना को सुनने से काँपता है हर बच्चा,
वो है परीक्षा।
परीक्षा का पेपर हाथ में आते ही,
इतना डर लगता है,
की अच्छा नहीं किया,
तो घर पर पिटना पक्का है।
3 घंटे में करने होते हैं लगभग 40 सवाल,
एक भी छूटा
तो घर पर होता है बवाल।
रिजल्ट के एक दिन पहले,
रात को नींद नहीं आती है,
अच्छा नम्बर पाने के लिए,
भगवान की याद आती है।
रखते हैं विद्यार्थी भगवान का व्रत,
अगर फेल हुए तो लगता है होगा,
डन्डे से नृत्य।
पास होने पर मिलता है,
शानदार ईनाम,
और मुख से निकलता है,
थैंक्यू भगवान।
फिर आती है अगली कक्षा,
तब भी मुख से निकलता है,
हाय रे परीक्षा।।

लक्ष्य जैन
कक्षा 1 स

पहेलियाँ

1. जो मुझे बनाता है। वह मुझे सुन पाता है। बताओ कौन हूँ में?
   उ० सोच-विचार

2. वो क्या है जिसके कारण हम दीवार के पार भी देख सकते हैं?
   उ० खिड़की।

3. कौन-सा प्राणी हफ्तों तक पानी नहीं पीता।
   उ० ऊंट

4. वह कौन-सा जीव है जो तीन साल तक सोता है?
   उ० घोघा

5. वह कौनसा प्राणी है जो कभी नहीं मरता, हमेशा जिंदा रहता है?
   उ० जैली फिश

6. वह कौनसा जीव है जो बिना पैरों के होने के बावजूद भी बहुत तेजी से दौड़ता है।
   उ० साँप

भवनी
कक्षा 1 अ

चिड़िया की परेशानी

बहुत समय पहले की बात है एक चिड़िया थी वह बहुत उंचा उड़ती, इधर-उधर चहचहाती रहती। कभी इस टहनी पर कभी उस टहनी पर फुदकती रहती। पर उस चिड़िया की एक आदत थी वह जो भी दिन में उसके साथ होता। अच्छा या बुरा उतने पत्थर अपने पास पोटली में रख लेती और अक्सर उन पत्थरों को पोटली से निकाल कर देखती। अच्छे पत्थरों को देखकर बीते दिनों में हुई अच्छी बातों को याद करती और खुश होती और खराब पत्थरों को देखकर दुखी होती। ऐसा रोज करती। रोज पत्थर इकट्ठा करने से उसकी पोटली दिन-प्रतिदिन भारी होती जा रही थी। थोड़े दिनों बाद उसे भरी पोटरी लेकर उड़ने में दिक्कत आती थी। उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह उठ क्यों नही पा रही। कुछ समय और बीता, पोटली और भारी होती जा रही थी। अब तो उसका जमीन पे चलना भी मुश्किल होती जा रहा था और एक दिन ऐसा आया कि वह खाने-पीने का इंतजाम भी नहीं कर पाती। अपने लिए और अपने पत्थरों के बोझ तले मर गयी।

शिक्षा - हमें अपनी पुरानी यादों को समेट के नहीं चलना चाहिए। हमें हमेशा हमारे वर्तमान के बारे में सोचना चाहिए और आने वाले भविष्य के बारे में सोचें।

प्रियांशु
कक्षा 1 अ

क्लास मॉनीटर

जो क्लास में बने मॉनीटर
कोरीशान दिखाते हैं।
आता जाता कुछ नहीं,
पर हम पर रोब जमाते हैं।
जब क्लास में टीचर नहीं,
तो खुद टीचर बन जाते हैं।
कॉपी पेंसिल लेकर
बस नाम लिखने लग जाते हैं।

खुद तो हमेशा बातें करें,
हमें चुप करवाते हैं।
अपनी तो बस गलती माफ
हमें बलि चढ़ाते हैंँ।
क्लास तो संभाल पाते नहीं,
बस चिखते और चिल्लाते हैं।
भगवान बनाए इन मॉनीटर से,
इन्हें हम नहीं चाहते हैं।

प्रियांशु
कक्षा 1 अ

मम्मी

परिलोक की कथा कहानी,
हँसकर मुझे सुनाती मम्मी,
फूलों वाले, तितली वाले,
गाने मुझे सिखाती मम्मी।
खीर बने या गरम पकौड़े,
पहले मुझे खिलाती मम्मी।
होमवर्क पूरा कर लूँ तो,
टॉफी-केक दिलाती मम्मी,
काम अगर में रहूँ टालती,
तब थोड़ा झल्लाती मम्मी।

झटपट झूठ पकड़ लेती हे,
मन ही मन मुस्काती मम्मी।
रूठूँ तो बस बात बनाकर
पल में मुझे मनाती मम्मी।

अल्शिफा गौरी

माँ

एक रात में अपने कमरे
में सो रहा था।

अचानक एक आहट में मेरी,
आँख खुल गई।

मैंने सामने फरिशते को देखा
तो मेरे घबराकर पूछा – ''यहाँ कैसे?''

फरिश्ते ने कहा, तेरी माँ को,
लेने आया हूँ।

मैं घबरा गया मैरा दिल
बैठ गया आखें नम हो गई।

मैंने कहा एक सौदा करते हँ,
मुझे ले जाओ मेरी
माँ की जिन्दगी बक्श दो।

फरिश्ता मुस्कुराया और बोला
लेने तो मुझे ही आया था।

पर तुझको पहले तेरी माँ,
ने सौदा कर लिया।

इसलिए कहते हैं कि माँ
के प्यार से भगवान
भी हार जाता है।

शुभम् जायसवाल
कक्षा – 8अ

ए यारा तू तो प्यारा है।

कोई छिपी हुयी ये बात नहीं,
जाने ये जहान भी सारा है,
हमको तो अपनी जान से भी
ए यारा तू ही प्यारा है।

अब का नहीं है जन्मों का है,
लगता है अपना याराना,
क्या रिश्ता है हम दोनों में,
मुश्किल है सब को समझाना,
मेरे लिए तू जैसे
अंबर में चमकता तारा है,
हमको तो अपनी जान से भी
ए यारा तू तो प्यारा है।

तू रहे सलामत यार मेरे,
बस यही दुआ हम करते हैं,
तेरे लिए कुछ भी कर जायें,
हम मौत से भी न डरते हैं,
तू भी तो भागा आया है,
हमने जब-जब तुझको पुकारा है।
हमको तो अपनी जान से भी,
ऐ यारा तू तो प्यारा है।

खुशी वलेचा
कक्षा – आठवी स

आजादी का तिरंगा

आजादी का आज तिरंगा ऐसे यूँ
लहराता है।
जैसे मस्त पवन का झौंका पत्तो को
लहराता है।

आजादी के इस जलसे को सारा देश
मनाता है।

जैसे सारे रंग मिलाकर एक नया रंग
बन जाता है।

नई उमंग रंग मिलाकर एक नया रांग
बन जाता है।

नई उमंग नयी तरंग नया ये दिन कुछ
अलग सा है।

जैसे सात सुरों से मिलकर गीत नया
बन जाता है।

आजादी को पाने खातिर,
आजादी के दीवानों ने।

खुद को अर्पण किया था आज आजादी,
को पाने में,

आज के दिन हर इंसा कुछ कर्ज़दार
बना जाता है।

आजादी का आज तिरंगा ऐसे यूँ,
लहराता है।

जैसे मस्त पवन का झोंका पत्तों को
लहराता है।

दिव्यांशी
कक्षा 8 ब

वीर जगत में आया था

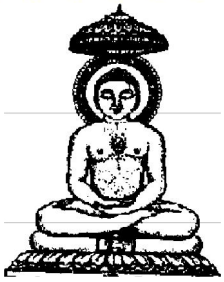

मानवता का पाठ पढ़ाने, वीर जगत में आया था।
हिंसादि पापों को तजने का संदेश सुनाया था।।

भारत में उस समय पाप की ज्वाला बढुती जाती थी।
यज्ञों में पशुओं की टोली निर्मम होमी जाती थी।

मानव मानवता भूले थे घर-घर छिड़ी लड़ाई थी।
तब आकर श्री वीर प्रभु ने जग के मार्ग दिखाया था।
हिंसादि पापों को तजने का संदेश सुनाया था।।

हिंसा के इस नींव कर्म से दूर रहो बतलाया था।
हिंसादि पापों को तजने की संदेश सुनाया था।।

मानव चेतो, कहां पड़े हो, प्रभु ने यह बतलाया था।
हिंसादि पापों को तजने का संदेश सुनाया था।।

भारत में उस समय पाप की ज्वाला बढती जाती थी।
यज्ञों में पशुओं की टोली निर्मल होती जाती थी।।

मानव मानवता भुले थे घर-घर छिड़ी लड़ाई थी।
तब आकर श्री वीर प्रभु ने जग के मार्ग दिखाया था।
हिंसादि पापों को तजने का संदेश सुनाया था।।

हिंसा के इस नीच कर्म से दुर रहो बतलाया था।
हिंसादि पापों को तजने का संदेश सुनाया था।।

मानव चेतो, कहां पड़े हो, प्रभु ने यह बतलाया था।
हिंसादि पापों को तजने का संदेश सुनाया था।।

जिया सोनावा

माँ

माँ और माँ का प्यार निराला
उसने ही है मुझे सम्भाला
मेरी मम्मी बड़ी प्यारी
मेरी मम्मी बड़ी निराली
क्या में उनकी बात बताऊ
सोचू । उन्हे कैसे मै जान पाऊ
सुबह सवेरे मुझे उठती
कृष्णा कह कर मुझे जगाती
जल्दी से तैयार मै होती
उसके कारण स्कूल जा पाती
स्कूल से आते ही खुश होती
जब मम्मी का चेहरा दिखता,
पोष्टिक भोजन मुझे खिलाती,
गृह कार्य भी पूरा करवाती।

माँ और माँ का प्यार निराला,
पर मैं करती गड़बड़ घोटाला,
जब मैं करती कोई गलती,
समझाने की कोशिश करती,
लुटाती मुझ पर अधिक प्यार,
करती मुझ से अधिक प्यार।

मुझ पर गुस्सा जब है आता,
दो मिनट में उड़ भी जाता,
मेरी मम्मी मेरी जान,
रखती मेरी पूरा ध्यान,
माँ और माँ का प्यार निराला,
उसने ही है मुझे सम्भाला।

कल्पना चुण्डावत
कक्षा 8स

भारत माँ

देव भूमि भारत माता पर, हम सबको अभिमान है।
पावन कण-कण यहाँ अनोखा, दर्शन यहाँ महान है।

छोटे-बड़े प्रदेश यहाँ पर, संस्कृति सबकी एक है।
भोजन, भाषा, वेश भिन्न पर आत्मा सबकी एक है।

विन्ध्य हिमालय अरावली और मलय, नीलगिरी पर्वत है।
गंगा, यमुना, सिंधु, नर्मदा नदियाँ इसी धरा पर है।

यहाँ पर शंकर चारों धाम है।
बाहर जयोतिर्लिंग शिव, प्रताप, कान्हा की धरती,
घर-घर श्री राम है।

जय सिरमौर बने फिर भारत हम सबका अरमान है।
देवभूमि भारत माता पर हम सबको अभिमान है।

जतिन कणिका
कक्षा 6ब

यूनिकोड

राजा भैया ने हिंदी में,
कम्प्यूटर पर टाईप किया,
लेख देवनागरी लिपि में उसने
पता समूच खोज लिया।
दादाजी ने सोचा था बस
अंग्रेजी ही होगी इस पर,
लेकिन भैया ने दिखलाया।
हिंदी में सब कुछ सम्भव कर।
ऐसे में भैया ने खुश हो,
दादाजी को था बतलाया,
यह यूनिकोड का है कमाल
ओ उनको भी था सिखलाया।
आओ, हम सब भी कम्प्यूटर पर
हिंदी अपनाएं बच्चों,
हिंदी जन-जन की भाषा है,
इसके गुण हम गाएं बच्चों।

रीफत कुरैशी
कक्षा - 7 स

गौरैया तू हो न उदास

गौरैया तू हो न उदास
उड़कर आ जा मेरे पास

नहीं भूख से मरने दूंगी
होने दूंगी नहीं निराश

बंद करुंगी न पिंजरे में
विचरण करना सदा खुलें में

स्वच्छ-स्वच्छ घर में आ जाना
आना कमरे धुले-धुले में

फिर उड़ना अपने आकाश
गौरैया तू हो न उदास

दाना दूंगी पानी दूंगी
कभी-कभी गुड़ धानी दूंगी

मम्मी मुझे सुनाएगी जो
सुनने तुझे कहानी दूंगी।

घर मेरे तुम करो प्रवास
गौरैया तू हो न उदास,

सच्चा साथ निभाऊँगी
तुझे सुलाने को अक्सर

कर देखो मुझ पर विश्वास
गौरैया तू हो न उदास

मुक्ति जेरिया
कक्षा - 7 स

चिन्ता रहती है

वीरों को – आन की
किसानों को – लगान की
नाविक को – तूफान की
नेता को – मतदान की
मुसाफिर को – सामान की
भगवान को – जहान की
भिखारी को – दान की
शराबी को – सुरापान की
ऋषि को – वरदान की
ड्रायवर को – चालान की
कंजूस को – मेहमान की
कायर को – जान की
गायक को – तान की
कमजोर को – बलवान की
विद्यार्थी को – इम्तहान की
व्यापारी को – नुकसान की
पंछी को – उड़ान की
प्रोफेसर को – बखान की
माँ-बाप को – संतान की
अमीर को – शान की

रीतु कुमारी
कक्षा – 8अ

एक सपना है मेरा

एक सपना है मेरा,
एक कहे ये देश हमारा
महान है भारत हमारा
गूंज उठे प्रेम का न्यारा।

मिट जायें दीवारें
मिल जाये देशवासी
गीत गाये सब मिलकर
जीत होगी मानवता की

साथ रहेंगे हिन्दू, मुस्लिम
एक मरेंगे देश की खातिर
देश प्रेम निशान हमारा
भाईचारा मशाल हमारा।

आकांक्षा वर्मा
कक्षा 8ब

पहेलियाँ

1. दूर-दूर से मिलते देखा,
   लेकिन था नजरों का धोखा।
   उत्तर क्षितिज
2. बड़ी कोमल, बड़ी सुकुमार,
   बीच फटल दोनों बगल बाल।
   उत्तर आँख
3. मुट्ठी में ऊँट, कोठी में नाथ,
   तेकरा पिन्हना लाल धंधरी।
   उत्तर मिर्च
4. टपक टाइँया रोइयाँ नाथ,
   चार टंगरी नाँय।
   उत्तर मेंढ़क
5. दिन में एक नहीं, रात हजार,
   चार टँगरी नायँ।
   उत्तर तारा

अंश मोदी
कक्षा 8अ

सीखना होगा दौड़ने और चलते रहने का फर्क

खरगोश और कछुए की एक पुरानी कहानी है। इस कहानी में दौड़ने के बावजूद खरगोश हार जाता है, जबकि मंथर गति से चलते रहने वाला कछुआ जीत जाता है। पुरानी होकर भी यह कहानी अब भी प्रासंगिक है, क्योंकि हमारा समय कोल्हु के बैल की तरह आँख पर पट्टी बाँधे अनवरत दौड़ रहा है। पर नसों में घुल चुकि खरगोश और कछुए की इस कहानी के बाद भी क्या हम दौड़ने और चलने का अंतर समझा जाए हैं? सुबह से शाम तक की दौड़ अगर हमें किसी मंजिल तक नहीं पहुंचाती, तो एक बार मंजिल और रास्ते को दोष देने के बजाय अपने इरादों को पलटकर देखिएगा। हो सकता है कि आप भी खरगोश की तरह अपनी ऊर्जा का संतुलित प्रयोग करने के स्थान पर कोल्हू के बैल की तरह लक्ष्य विहीन दौड़ में मगन हों। यह सही है कि जीतने के लिए दौड़ना जरुरी है, लेकिन कई बार उससे भी अधिक जरुरी है, अनवरतर चलते रहना है। क्योंकि दौड़ने वाला थककर अपने लक्ष्य से भ्रमित हो जाता है, लेकिन विश्वास की लाठी थामे चलते रहने वाला अंतत: मंजिल तक पहुँच ही जाता है।

याशिका सिंह
कक्षा 8ब

जनरल नॉलेज

प्र.1 चंडीगढ़ का रॉक गार्डन/शैल उद्यान किसने बनाया था?
(अ) टेकचंद (ब) रामचंद
(स) नेकचंद (द) हीराचंद
उत्तर–स

प्र.2 राष्ट्रीय रक्षा अकादमी स्थित है –
(अ) नई दिल्ली में (ब) देहरादून में
(स) बडगवासना में (द) वोलिंगटन में
उत्तर–स

प्र.3 हैदराबाद में प्रसिद्ध स्थल है –
(अ) चारमीनार (ब) सालारजंग संग्रहालय
(स) इनमें से कोई नहीं (द) उपरोक्त दोनों
उत्तर–द

प्र.4 विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू एच ओ) का मुख्यालय स्थित है ?
(अ) हेग में (ब) जेनेवा में
(स) वॉशिंगरन में (द) न्यूयॉर्क में
उत्तर–ब

प्र.5 सफेद हाथियों का देश कहा जाता है?
(अ) थाईलैंड (ब) जापान
(स) भूटान (द) नेपाल
उत्तर–अ

अदिति शर्मा
कक्षा 6द

पहेलियाँ

प्र.1 भारत में सबसे ज्यादा किसकी फोटो छपती है?
उत्तर महात्मा गाँधी की।
प्र.2 ऐसी कौनसी चीज़ है जिने लोग खाते भी हैं और पीते भी हैं?
उत्तर नारियल
प्र.3 काला घोड़ा और सफेद सवानी एक उतरा दूसरे की बारी
उत्तर तवा रोटी
प्र.4 ऐसी कौनसी चीज़ है जिसे हम पीने के लिए खरीदते हैं, मगर कभी पीते नहीं हैं।
उत्तर गिलास
प्र.5 वे कौनसी चीज है जो अगर चलते-चलते थक जाए, तो उसकी गर्दन काटने पर वह वापिस चलने लग जाती है?
उत्तर पेंसिल
प्र.6 वो क्या है जो आपके सोते ही नीचे गिर जाती है और आपके उठते ही वो उठ जाती हैं?
उत्तर पलकें।
प्र.7 ऐसी कौनसी चीज़ है जो बच्चे को जवान और जवान को बूढ़ा बना देती है?
उत्तर उम्र
प्र.8 वो क्या है जिसे आप एक बार खाकर वापिस नहीं खाना चाहते मगर फिर भी खाते हैं?
उत्तर धोखा
प्र. 9 एक व्यक्ति अपनी जिन्दगी में सबसे ज्यादा बार क्या सुनता है?
उत्तर अपना नाम।
प्र.10 ऐसा कौनसा ड्राईवर है जिसे लाइसेंस की जरुरत नहीं होती ?
उत्तर स्क्रूड्राइवर
प्र.11 एकसी कौनसी चीज़ है जो हम खाते भी हैं और पहनते भी हैं?
उत्तर जूते7
प्र.12 कटोरे पर कटोरा बेटा बाप से भी गोरा
उत्तर नारियल
प्र. 13 हरी थी, मन भरी थी, राजाजी के बाग में दोशाला ओढ़े खड़ी थी।
उत्तर भुट्टा
प्र.14 लाल छड़ी खेत में गड़ी बताओ क्या?
उत्तर गाज़र।
प्र.15 ऐसी कौनसी चीज़ है जो काटो तो करती नहीं, मारो तो मरती नहीं?
उत्तर परछाई।

अति बैरागी
कक्षा 7 अ

स्त्री

हम शक्ति नहीं केवल,
हम सत्य से सजेंगे,
जीवन सरल सरज हो,
कुछ इस तरह मजेंगे।

भावों से खिलता जीवन,
भावों से मिलता जीवन,
भावों का खेल सारा,
भावों से हम खिलेंगे।

परमात्मा की पारी
सुंदर-सी हम कृति हैं
जीवन से हम भरे हैं।

दुर्गा भी, गौरी भी, रमा और शारदा भी,
हर रूप में हमी हैं।
माता भी, बहिन, पत्नी और पुत्री भी,
जिसकी तुम्हें जरुरत उस रूप में मिलेंगे।

विश्वास, प्रेम, अर्पण यह भाव हो हमारे,
अंकुर का हाथ थामे,
दुनिया नई रचेंगे।

प्रियंका डाँगी
कक्षा 8अ

दीप जलाऊँ

हर दिशा में तम गहराया।
इतने दीप कहाँ से लाऊ।।
जहाँ अँधेरा सबसे ज्यादा।
उन कोनों में दीप जलाऊँ।।
एक भावना के आँगन में।
एक साधना के आसन पर।।
एक उपासना के मन्दिर में।
एक सत्य के सिंहासन पर।।
बनूँ में माटी किसी दीप की,
और कभी बाती बन जाऊँ,
जहाँ अँधेरा सबसे ज्यादा
उन कोनों में दीप जलाऊँ
एक दिल के तहखाने में भी,
स्वप्रिल तारों की छत पर भी,
एक प्यार की पगडण्डी पर
खुले विचारों के मत पर भी,
जलूँ रात भर बिना बुझे मैं,
तेल बनूँ तिल तिल जल जाऊँ
जहाँ अँधेरा सबसे ज्यादा,
उन कोनों में दीप जलाऊँ।
एक दोस्ती की बैठक में,
एक ईमान की राहों पर भी।
एक मन की खिड़की के ऊपर
एक हंसी के चौराहों पर भी।
दीप की लौ है सहमी-सहमी,
तुफानों से इसे बचाऊँ,
जहाँ अँधेरा सबसे ज्यादा,
उन कोनों में दीप जलाऊँ।
बचपन के गलियों में भी एक,
और यादों के पिछवाड़े में भी।
अनुभव की तिजोरी पर एक,
और उम्र के बाडे में भी।
बार्ता की अपनी सीमा है,
कैसे इसकी उम्र बढ़ाऊँ।
जहाँ अँधेरा सबसे ज्यादा,
उन कोनों में दीप जलाऊँ।
हार है निश्चित अंधेरों की।
जगें ऐसी आस जगाऊँ।।
सुबह का सूरज जब तक आवे।
मैं प्रकाश प्रहरी बन जाऊँ।
हर दिशा में तम गहराया।
इतने दीप कहाँ से लाऊँ।
जहाँ अंधेरा सबसे ज्यादा।
उन कोनों में दीप जलाऊँ।।

केशव तिवारी
कक्षा 6द

मेरा देश

मेरा भारत महान,
गौरवशाली इसकी पहचान।
सभी धर्म के लोग हैं रहते,
आपस में वह नहीं है लड़ते।
प्रगति के पथ पर है बढ़ता,
पड़ोसियों से वह नहीं है डरता।
भारत की शान निराली है,
यहाँ मिलजुल कर मनाते दिवाली है।
दुनिया ने भारत का लोहा माना है,
योग की शक्ति को पहचाना है।
भारत ने सबको शान्ति का सन्देश दिया,
सभी देशों को एक साथ किया।
इसकी शान निराली है,
हर इंसान इस बगिया का माली है।

वन्दना भट्ट
कक्षा - 8ब

गुरु पुराण की कहानी

घमंडी आदमी

एक गाँव में एक आदमी रहता था। वह बहुत ही दौलतमंद आदमी था। वह हमेशा दीन-दु:खियों को दान करता था। और वह अपनी दान करने की बातें अपने आस-पास बड़े ही घमंड से बताता। जब भी वह धरती माता पर चलता तो उसके घमण्ड के पैरों से धरती माता का शरीर लहू-लुहान हो जाता। जवानी गुजर गई, बुढ़ापा आ गया। उसके मरने के दिन भी पास आ गए। और एक दिन वह चल बसा। जब वह यमराजजी के दरबार में पहुँचा तो यमराज ने बोला इसके अच्छे और बुरे कर्मों के पन्ने ले आओ। यमराज ने उसके अच्छे और बुरे कर्मों के पन्ने देखकर कहा इसने कई अच्छे कर्म किये हैं। इसलिए इसे स्वर्ग ले जाया जाए। तभी वहाँ पर धरती माता प्रकट हुई। और धरती माता ने कहा इसके अच्छे और बुरे कर्मों के पन्ने वापस से देखे जाएं। यमराजजी ने पन्ने देखकर कहा इसके सारे कर्म अच्छे हैं। इसने कोई भी बुरा कार्य नहीं किया। धरती माता ने कहा इसने दान तो बहुत किए होंगे। लेकिन दान देने के बाद वह जब भी मेरे ऊपर घमण्ड से चलता तो मेरा शरीर लहु-लुहान हो जाता। इसलिए इसे नर्क में ले जाया जाए। यमराजजी ने धरती माता की बात स्वीकार कर उसे नर्क में ले जाने का आदेश दिया। दोस्तों मुझे आपसे बस यही कहना है कि हमने जो दान कर दिया है। वह कर दिया है। दान देने के बाद घमण्ड ना करें। क्योंकि जो हमने दान किया है उसका फल हमें कभी न कभी जरुर मिलेगा।

गजेन्द्र आर्य
कक्षा 6अ

सच्ची सीख

बढ़ते चलो आगे, राह में नित काँटे भी आएँगे,
करंगे सामना काँटों का तो हम फूल भी पाएँगे।

1. करें आदर-सम्मान, माता-पिता और बड़ों का,
हर बला से बचाता है आशीष माता-पिता और बड़ों का।
हर माँ-बाप को प्यारे अपने बच्चे, चाहे खोटे हों या खरे,
लहू पीकर करते पोषण, रखते इन्हें हरे-भरे।
बच्चों का है फर्ज चुकाएँ, कर्ज तभी सपूत कहलाएँगे।
बढ़ते चलो.....

2. माता और पिता बच्चों के पहले गुरु होते हैं,
लेकिन गुरुजी बच्चों के दूजे मात-पिता होते हैं।
गुरु ब्रह्म, गुरु विष्णु, गुरु को महेश मानते हैं,
गुरु बिन ज्ञान अधूरा होता, ये हम सब जानते हैं।
मिले गुरु का ज्ञान तो बच्चे भवसागर तर जाएँगे।
बढ़ते चलो.....

3. बच्चों न करना भेदभाव, कभी तुम किसी से,
करना मदद सभीकी न लड़ना कभी तुम किसी से।
जात-पात रूपी अजगर को रखना तुम दूर सभी से,
इसी ने निगला है सबको, छीना है चैन सभी से।
करलें निश्चय इस अजगर से सबको हम बचाएँगे।
बढ़ते चलो.....

4. न होना निराश कभी जीवन में प्यारे बच्चों,
सदा रखना विश्वास खुदा पर प्यारे बच्चों।
जो होते हैं मेहनती और ईमानदार प्यारे बच्चों,
मिलता है खुदा का आशीष उन्हें प्यारे बच्चों।
खुदा का आशीष, तुम्हारी मेहनत दोनों ही रंग लाएँगे।
बढ़ते चलो.....

शशांक डूंगरवाल
कक्षा 8अ

बूझो तो जाने

1. एक गुफा के दो रखवाले
दोनों लम्बे दोनों काले। बताओ क्या? मुंछें

2. दुनियाभर की करता सैर,
धरती पर ना रखता पैर,
दिन में सोता रात में जागता,
रात अंधेरी मेरे बगैर।
बताओ मेरा नाम? *चाँद*

3. लाल घोड़ा रुका रहे,
काला घोड़ा भागत जाय।
बताओ कौन? *आग और धुंआ*

4. बिमार नहीं रहती में,
फिर भी खाती हूँ गोली,
बच्चे बुढ़े सब डर जाते हैं,
सुनकर इसकी बोली।
बताओ क्या ? *बंदुक*

5. काला घोड़ा सफेद सवारी।
एक उतरा तो दूसरे की बारी। *तवा और रोटी*

6. खरीदने पर काला जलाने पर लाल,
फेंकने पर सफेद बताओ क्या? कोयला

7. एक राजा की अनोखी रानी,
दुम के सहारे पीती पानी। *दिया*

8. बुझो भैय्या एक पहेली,
जब काटो नई नवेली। *पेंसिल*

सामान्य ज्ञान

प्र.1 त्रिदेव में किसकी पूजा सबसे कम होती है?
उत्तर ब्रह्मा
प्र.2 महाभारत के रचयिता का नाम क्या है?
उत्तर वेद व्यास
प्र.3 देवताओं के गुरु ?
उत्तर ब्रहस्पति
प्र.4 भारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम कब और कहाँ से प्रारम्भ हुआ?
उत्तर 10 मई, 1857 मेरठ
प्र.5 भारत में प्रथम भारतीय गर्वनर जनरल?
उत्तर सी. राजगोपालाचारी
प्र.6 भारतीय संविधान में कुल कितने भाग हैं?
उत्तर 22
प्र.7 भारत में हाकी का एशिया कप कितनी बार जीता है?
उत्तर दो बार
प्र.8 रामायण के रचनाकार का नाम बताओ?
उत्तर वाल्मीकि

गगनजीत
कक्षा 8अ

शेख मुईज निज़ाम
कक्षा 8स

चुटकुले

1. टीचर : जिसको सुनाई नहीं देता, उसको क्या कहेंगे?
शिष्य : कुछ भी कह दो, कौनसा सुनाई देता है।

2. टीचर : धोबी का कुत्ता, ना घर का, ना घाट का।
ऐसा ही एक और सेन्टेन्स बनाओ।
स्टूडेन्ट : सानिया का बच्चा ना भारत का ना पाकिस्तान का। टीचर बेहोश।

3. जेठालाल : बबीताजी आज मेरे घर पर अईयर को खाने पर भेजना।
बबीताजी : वह यार..... अचानक कैसे?
जेठालाल : अरे वो श्राद्ध के लिए कौवे नहीं मिल रहे थे, इसलिए।

4. एक हेदराबादी परिवार में बेटा स्कूल से रोता हुआ घर आया।
माँ : काईकू रोरा?
बेटा : टीचर मारी मेरेकू।
माँ : काईकू मारी चुडैल तेरेकू?
बेटा : मैं मुर्गी बोला उसकू।
माँ : अरे काईकू ऐसा बोला रे?
बेटा : काईकू बोले तो? हर पेपर में अंडा देरी मेरेकु।

5. बड़ा कल युग आ गया है .....
जिस दोस्त की शादी में जी-जान से नाचे थे।
वो नालायक अपनी बीबी को एलबम दिखाते हुए बोला.....
शराबी हैं साले।।

अमित बैरागी
कक्षा 6ब

हौंसलों को कर बुलंद

मंजिल का पाना है,

तो जख्म को सहना होगा।

कठियाइयाँ से निपटना है,

तो वक्त थोड़ा देना होगा।

खुली हुई है शेर की मांद,

पर फिर भी आगे बढ़ना होगा।

समंदर गहरा है तो क्या हुआ,

हौसलों से पार करना होगा।

आँधियों को चीरने के लिए,

तूफॉ से लड़ना होगा।

ठान ले गर आगे बढ़ने का,

तो मुकद्दर भी तेरा होगा।

जयेश शर्मा
कक्षा- नवीं (बी)

गुरू को प्रणाम

गुरू देते हैं हमको ज्ञान, गुरू दूर करते है अज्ञान,

दीपक बनकर ज्ञान का, जग को जगमग कर देते ।

अपने प्रकाश की कीरण से जो, अंधकार को हर लेते है,

गुरू के चरणों में चारों धाम, गुरू ही कृष्ण, गुरूहीराम।।

गुरू ही हमको सिखलाते, जीवन की बारीकियाँ,

गुरू की प्रज्वलित करते हैं, हम सबकी ज्ञानेन्द्रियाँ।

है जिनके सिर्फ दो आचार, सादा जीवन, उच्च विचार।।

स्वयं को जो समर्पित करके, दूर करते जनमानस के विकार,

कदम कदम पर जो है करते, लोगो का मार्गदर्शन

गुरू कहकर कहते हम उनका, आजीवन महिमा मंडन।।

वंदो में अंकित है जिनके नाम, उन महान।

गुरूओं को करता हूँ मैं कोटि-कोटि प्रणाम।।

लक्षित शर्मा
कक्षा- चौथी(द)

बदलाव की बयार ...

''भगवान ने मुझे जीन चीज़ों को मै बदल नहीं सकती,
उन चीज़ों को अपनाने की ताकत दी है,
जीन चीज़ों को मै बदल सकती हुँ,
उन्हें बदलने की हिम्मत दी है और दोनो के बीच अंतर जानने की आज़ादी दी है।''

बदलाव जीवन का ही एक प्राकृतिक भाग है। हमें बदलाव को बिना किसी विरोध के अपनाना चाहिए।

साधारणतः सामान्य लोगों को बदलाव से काफी डर लगता है, क्योंकि उन्हें इस बात का डर होता है की कहीं बदलाव से वे विपरीत परिस्थितियों में न फंस जाए या फिर वह अपनी वर्तमान सफलता ना खो दे।

इसीलिए आनंदमय जीवन जीने के लिए आपको यह सलाह देना चाँहुगी जी जीवन में बदलाव को खुशी से अपनाए। बदलाव को अपने विकास का अवसर समझे उसे विकास के नजरिए से देखे और उसे हसी -खुशी अपनाए। आपमें सच का सामना करने की और उसे सुनने की आदत होनी चाहिए। तभी आप अपने लक्ष्य को हासिल कर सकते हो। यदि आप बदलाव को चुनौतियों और अवसर की तरह स्वीकार करो तो उसका जीवन समृद्ध जीवन बन सकता है। जीवित रहना मतलब बदलना, बदलना मतलब पूर्ण विकसित होना, विकसित होना मतलब अपने आप को बनाना।

चार्वी माली
कक्षा - ग्यारहवीं (अ)

मन्नत का तारा

आहहहहह !!!! माँ ! तुम थोड़ा आराम से क्यों नहीं करती हौ ??? हमेशा यूँही खींच-खींच के चोटी करती हो!!

मैं आराम से ही करती हूं, तू पगली एक जगह ठीक से बैठती ही नही है .... (कमला ने अपनी बिटियां की चोटी बनाते हुए कहा)

अच्छा ये बता ये तेरे हाथों में क्या है ??

माँ, ये A से एयरोप्लेंन हैं, मेरी टीचर ने बताया है।

क्या! क्या है ये! अलेयोप्लेंन ?

वो जो, तू आसमान में देख के बोलती हेना मन्नत का तारा, वो है ये .....

वो मन्नत का तारा नही बल्कि एयरोप्लेन हैं माँ।।

कमला ने दुःखी होकर मन में कहा

अच्छाआआ !!!!!!, तभी मैं सोचूँ मेरी कोई भी मन्नत पूरी क्यों नही होती है ?

माँ!!!!! आराम से .....

अच्छा माँ मुझे हेना बड़े एयरोप्लेन उड़ाने वाला बनना है। मै बहुत पढ़ाई करूँगी फिर एक दिन तुझको तेरे मन्नत के तारे में दुनियां की सैर करांऊगी ।

और प्यारी सी चपला ने अपनी माँ के गले मे दोनों हाथ डाल झूलने लगी।

मगर बिटिया वो बनने के लिए तो बहुत पैसा लगेगा ना, और तेरी माँ कहाँ से लाएगी इतना पैसा ????

ये कह कमला अपनी फूलों की टोकरी सजाने लगी ..... अब बाजार जो जाना था ..... इन फूलों को बेचने।

चंचल चपला कमला के गोद में आके बैठ गयी और बोली .....

माँ तुम भी ना !!! जो भी जितना भी लगेगा क्या फर्क पड़ता है? तुम बस, अपनी पल्लू के कोने से वो पोटली खोलना और उतना मुझको दे देना। मुझे पता है मेरी माँ के पास एक खजाने की पोटली है ...

और खिलखिला के हँसने लगी ..

फिर चपला बाहर को अपना एयरोप्लेन उड़ाने को निकल गयी ।

मगर कमला .....

वह सुन्न सी रह गयी ।

सोचने लगी तो उसने स्कूल जाना शुरू किया है और इतने बड़े सपने हैं इसके। चपला ने मेरी पोटली को ही दुनियां समझ ली है, कितना अटूट विश्वास है इसको मेरे इस साड़ी के पल्लू में बंधी छोटी सी पोटली पे। पर ये ना जानती, ये पल्लू में बंधी छोटी सी पोटली सिर्फ इसका और मेरा पेट भर सकती है सपनें नहीं।।।।

सूरज निकलने को था, कमला अपनी टोकरी लिए बाजार की ओर निकल गई, मगर वह कुछ खोई हुई सी थी।

रह रह रहकर बस यही सवाल उमड़ रहा था ....

मेरी चंचल मन सी चपला के सपनों को कैसे साकार करूँगी? कैसे मैं इस पोटली को उसके अनुसार खज़ाना बना पाऊंगी ?????

मन में मची इस अधेड़बुन से कमला कई दिनों तक परेशान ही रही।

मगर बदलते वक़्त के साथ वो ठान चुकी थी कि वह अपनी गुड़िया के सपने को खुद के सपनों की तरह मरने नहीं देगी चाहे कुछ भी हो जाये ..... मन्नत के तारे की वो कमान बनेगी।

खुले आसमान की वो आजाद परिंदा बनेगी .....

बच्चों का हर सपना पूरा करने के लिए पालक भरसक प्रयास करते हैं, यह बच्चों को सोचना होगा कि क्या कि वे ईमानदारी से प्रयास करते हैं ?

सुश्री तृप्ति शर्मा
पी.जी.टी. कॉमर्स

ENGLISH
TIME
for you

THE GODESS
ON EARTH
FOR US

MAA

Mother Mother Mother
You've loved me like no other
Forever and ever
First, it was the warmth of your protective womb.
Then, the safety of your Arms
Protecting me form every doom
Your Loving presence always felt.
I am happy with what you have me into hope you're too.
Thank you so much much fo everything

ASMI KATARIYA
CLASS-IST D

WHY ARE DESERT IN THE WORLD HOT & DRY ?

The largest desert in the world is Antartica, and you definitely won't need shorts and a T-shirt down there.It is true, However, that all deserts are dry (it's their defining characteristic, in fact) Most of the world's hot deserts are located 30 north and 30 south of the Equator in a world-spanning belt of arid air. The air here lost all its moisture as it traveled north and south of the Equator, dumping rain over the world's warmer tropical regions along the way. with little rain to nourish vegetation in the dry regions, the soil became sandy and deserts formed.

Priyanshi Malviya
Class-IVth D

School Just School

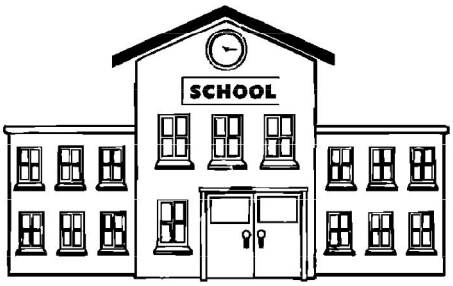

School we need it
School, friends
School you have teachers
School id great
School is even better

School you might find your true love
New experiences everyday
School, dances
School just school
School who does not love it
School is fun

School, classes
School, maths, science, computer classes
School just school

School is great love it
We need school
School just school.

Gauri Kumrawat
Class-Vth D

Trees are The Kindest Things I Know

Trees are the kindest things I know,
They do no harm, they simply grow.
And spread a shade for sleep for cows,
And gather birds amongtheir boughs.
And leaves to burn on hallowe'en,
And in the spring new buds of green.
They give us fruit in leaves above,
And wood to make our houses of.

Lalita Regar
Class-Vth B

My School Poem

Stars are many but moon is one.
Gems are many but kohinoor is one.
Friends are many but best friend is one.
Rays are many but sun is one.
School are many,
But my school is the best one.

Riddam Jayant
Class-Vth B

My father

My father is a man like no other.
He believes in me , Protected me,
Shouted at me, strengthened me,
But most of all he loved me
unconditionally.

There aren,t enough words
to describe what my father
means to me and what an
influence he still has on my life
It take a special man to be a
Father and a Dad.
Dad, I love Dad.

Thank you so much daddy,
for everything that you've
done for me, I can't imagine
Whatmy life would have been
Without you in it,
Dad, I love Dad

Kumkum
Class-Vth C

G.K Question

Q1. Who was the first indian president ?
Ans Dr. Rajendra prasad
Q2. Who discovered America ?
Ans Columbus
Q3. The Taj Mahal is located in____.
Ans Agra
Q4. Alexander grahem bell invented_____in the 1870's.
Ans Telephones
Q5. William word worth was a famous_____.
Ans Poet

Tammay
Class-IVth D

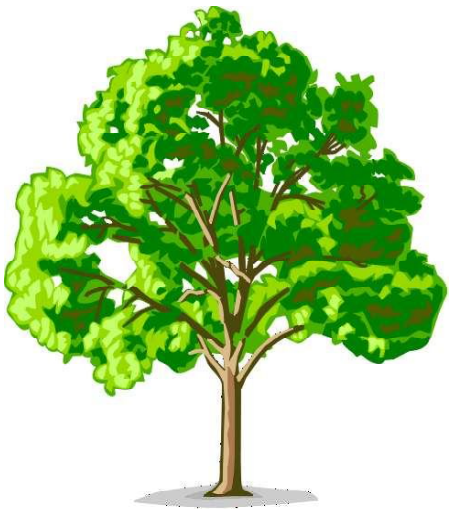

Trees

Trees are for birds.
Trees are for children.
Trees are for to make trees houses in.
Trees are to swing swings on.
Trees are for the wind to blow through.
Trees are to have tea parties under.
Trees are for kites to get caught in
" What a lovely picture to paint ! "
Trees make father say,
" What a lot of leaves to shake and falll ! "

Riya Kewat
Class-IVth D

The Fox and the Grapes

One day a fox was very
Hungry he searched every
Where for food at last the
Fox went in a vineyard.
He saw some bunches of
Grapes hanging from the
vines.

He tried to reach them
But they were too high
He jumped again and
Again but could not reach
them.

At last he got tired and
Said. don't want them
saur these grape are
Then ran away.

Nabhy Barwer
Class-IVth D

Mahatma
GANDHI

Mohan Das Karamchand Gandhi more commonly known as mahatma gandhi, was a great leader. He was born on 2nd october, 1869. His mother was a pious lady, His father was the Diwan of a state. He passed his matriculation and went to England. there, he graduated in law and became a barrister.

He came back to India. Soon he went to south africa. There he worked for the good of the Indians.

Once again he came back to India. This is the time when he fought for our freedom. He was jailed many a times. Due to his efforts India became free in 1947. Gandhi loved truth. He also did a lot for Hindi-Muslim unity. Mahatma Gandhi died on Janauary 30, 1948. We can never

Forget his selfless service towards the nation.

Lucky Bhatt
Class-IIIrd B

Nature Is What We See

Nature is what we see
The hill, the afternoon,
Squirrel, eclipse, the bumble bee.
Nay, Nature is heven,

Nature is what we hear
The bobolink, the sea,
Thunder, the cricket.
Nay, Nature is harmony

Nature is what we know we know
yet have no art to say
So helpless our wisdom is
To her simplicity.

Hemnandani
IVth C

BIG CLOCK

There's a neat big clock,
In the school room it stand.
And it points to the time
With its two little hands.
And may we, like clock,
Keep a face clean and bright,
With hands ever ready
To do what is right.

Isha
IVth D

SCHOOL POEM

School is something
We must all embrance
knowledge we need
to seek out and chase

Subjects and teaching styles,
are plentiful and
Just like the backpacks,
We all need to carry.

Shorts, club and activities,
at every single turn
So much to do,
Study and learn.

To get the most from school
we should consistently attend
Around each corner
There's always a friend.

Our favourite teachers,
are friendly and kind.
Their passion and job,
to expand ever mind.`

School is something,
We must all embrance.

Just remember to learn,
at your own place.

Suhani Chandra
Class-VIIth C

My Promise

Every day I shall do my best,
And I won't do any less.

My work will always please me,
And Iwon't accept a mess.

I'll color very carefully
My writing will be neat.

And I simply won't be happy
Untill my papers are complete.

I'll always do my homework
And I'll try on every test.

And I won't forget my promise
To do my very best.

Vanshika Hooda
Class-IIIrd

My Promise

Each day I'll do my best
And I won't do any less

My work will always please me,
And I wan't accept a mess

I'll colour very carefully
My writing will be neat

And I simply won't be happy
Untill my papers are complete.

Nandini Dhanuk
Class-Vth A

Best Friend

The best of friend can change a from
Into a smile when you feel down
The best of friend will understand and
your little tried will understand and
The best of friend will always share.
Your secret dreams because they care.
The best of friend worth more than
Give all the love a heart can hold.

Priti Narwal
Class-Vth C

Dad

For all the laughter
and smiles, for the
happiness good time,
For listening caring,
and loving sharing....
For your strong shoulders
and kind heat...
Love You......!

Yashpal Singh Rathod
IInd A

Ice Cream

Ice cream in a bowl.
Ice cream in a cone.
Ice cream any way I want.
As long as it's my own.
Ice cream can be sticky.
Ice cream can be sweet.
Ice cream is delicious,
It's my very favourite treat !

Himanshu Rathore
IInd B

Being Responsible

Every day, our jobs to do,
The responsibilities of me and you,
To wash our bodies, and do our brush,
To go to the toilet, and remember to flush
When eating our food, we keep tidy and clean,
This keeps us healthy, neat and clean,
To do all our work without a fight,
And try and try with all our might
wego to bed at 7o'clock,
And wake up when we hear the tick-tock
Every day, our jobs to do,
The responsibilities of me and you.

Ayush Makwana
VIIth D

Poem on life

Life is given to us,
We earn it by giving it.
Let the dead have the immortality of fame,
but the living the immortality of love.
Life's errors cry for the merciful beauty.
That can modulate their isolotion into a
Harmony with the whole.
life, like a child, laugh,
Shaking its rattle of death as it runs.

Arpita Dixit
VIIIth A

Bird Talk

Think..... 'said the robin,
Think..... 'said the jay,
Sitting in the garden
talking one day.

Think about people
the way they grow
they don't have feathers
at all, you know.

They don't eat beetles
they don't grow wings,
they don't like sitting.

Think !' said the robin.
Think !' said the jay.
Aren't people funny
to be that way ?

Chanchal Singfariya
Class-IIIrd C

Who am I ?

1. *I am everywhere, but cannot be seen.*
   I can be captured, but cannot be hold.
   I have no throat, but can be heard
   Who am I? *Ans. Wind*

2. *Unit I am measured*
   I am not known,
   Yet how you miss me,
   When I have flown who am I?
   Ans. Time

3. *I am a box without tings,*
   I have no lock or boy,
   Yet golden treasure lies, within me, Who am I? *Ans. Egg*

Priyanka Dangi
Class VIII-A

Home Sweet Home

I love my little home,
My sweet, sweet home,
Where father, mother, and me,
Work, eat, and sleep.

With us are my uncle and
aunt, And their two
Children too, we live
together happily, In our sweet, little home.

When all the cousins come
to stay, There's a party
lot of fun, sharing, loving,
and troubles too, At times
to spoil the fun, Father,
Mother, Uncle, and aunt, We make
a perfect family but for the frequent
intruders our family is a jolly one.

Jiya Sonawa
7the D

India is Dream

Where everyone is equal
Where everyone is clam
Nature is in bloom all day...
And its glowing in the Sunshine.

Where the world is one
Where was and jealousy cease
A world full of books, Music and theater.
Where everyone is content with all they have.
The children in the streets performing plays.
And the blind studying braile.....

Where everybody rich or poor go to school.
Where the richest of the rich, and poorest of the poor.
All the blind studying braile.
All live in an equal way.

Where the thieves and criminals all start reading
And start thinking in a different way
In the sort of a united habit.
Let my country realize real freedom.

Akansha Bhatt

Advice from a Tree

Stand tall and proud,
Sink your roots into the earth
Be content
With your natural beauty,
Go out on a limb
Drink plenty of water,
Remember your roots
Enjoy the view!

Kashish Fulwani
VI -D

History can be interesting

Q1. The Frenchman who won lots of battles in the eighteenth and nineteenth centuries?
- *Hitler*
- *Nepoleon*
- *Eisenhower*

Q2. Who discovered America ?
- *Colymbus*
- *Drake*
- *Raleign*

Q3. Which country held the first olympic games ?
- *Greece*
- *Peru*
- *Russia*

Q4. Who was Johann sebastion bach (1685-1750) ?
- *Misic Composer*
- *Florist*
- *Nuclear Scientist*

Q5. A lexander Grahmbell invented..... in the 1870's
- *Computer*
- *Telephones*
- *Cars*

Q6. William words worth was a fomous ....
- *Scientist*
- *Dance*
- *Poet*

Manvi Parthar
Class-VI B

1. Nepoleon, 2. Columbus, 3. Greece, 4. Misic Composer, 5. Telephones, 6. Pet.

Making The Best Of Life

However means your life is, meet it, live it. donot Shun it or call hard names. ***- Anonymous***

Men, Who are always grumbling about their poverty Complaining of their difficulties, whining about and over their troubles and thinking that their lot in world in mean and poor will never get any happiness out of life or achieve any success. How every mean your life maybe, if we face it bravely and honestly and try to make it the best of it. We shall find that afte all it is so bad as we thought and we may have our times of happiness and the joys of success. There is nothing mammon or unclear until we make it do by the wrong attitude we adopt towards it. One must not count his happiness on the losses of luxury and money. Count it on the bsis of deals that provided him with immense sense of satisfaction and makes him feel contend.

Gagan P.
VIIIth-A

Save Water

Save water! Save water! Save! Save! Save!
Stop misusing, Stop misbehaving
Respect the water, now matter is grave
think of the future, the present God gave
Save Water! SaveWater! Save! Save! Save!

Save Water!
to
Earth

Astha Jain
Class VI D

Being A Girl Child in India

If I am a girl child I will be recognized soon and will be killed in bomb.

If I survived I will be larn to grow as a second grade life in Comparison to boys in home.

If I grow will I will be treated in Society as doll, having no feelings for her but to prove herself in Conditions all,

In my youth I will be married to man of my parents choice.

By giving dowry to in laws

I had to live as a good wife in my married life, If I am a home maker I had to give birth and Make a family.

and embrace hardship of living mother in life killing her own feelings in fumes.

When I will become old I will be treated, as burden by my own children and will die in distress and found that I had done nothing for my own, and had treated myself as a girl child killed in womb.

Komal Batham

IXth B.

The Greatest Parents on Earth

I will never take for granted
how greatly I've blessed;
For when it comes to parents,
Mom and Dad, you are the best!

You nurtured and Protected me
and tought me with great care.
And Even time I've needed you,
you were always there.

If you could look into my heart,
how quickly you would see,
the special place you hold there,
and how much you mean to me.

May you receive the blessings,
you are so deserving of
for your caring, and your sharing,
and Each sacrifice of love.

And may you carry, and your hearts.
these words forever true...
No parents anywhere on Earth
Could be more loved than you.

Komal Batham

IVth B

Hello in different languages

1. *Bengali- Namashkaar*
2. *Chinese- Ni hao*
3. *Hindi- Namaste*
4. *Arabic- Marhabam*
5. *French- Salut*
6. *Latvian- Sveolo*
7. *Lwngarian - Szia*
8. *German - Hallo*
9. *Farsi - Salaam*
10. *Hawaiian - Aloha*
11. *Indonesia - Salam*
12. *Icelandic - Hello*
13. *Liovak - Ahaj*
14. *Japanese -*
15. *Swedish - Hallo*
16. *Atalian - Cioa*
17. *Latin - Salve*
18. *Swahili - Hujambo*
19. *Mandarin -*
20. *Spanish - Hala*

Komal Batham
IXth B.

My Dear Mom And Dad

Describe what you mean to the There's nothing that I can repay for What you've done for me. There's No-one that could replace both of you. There's No-Way to regret being your child. There is no imagination what I would be without you. I' m So Sorry that I always spends your monthly. I'm So sorry for everything that I can't remember on by on. In the end, I just wanna massive thank.

Bhupndra Narwal
VIII-A

A Poem About Trade

Swift prancing horses by sea in ships,
Bales of black pepper in carts,
Gems & gold born in the himalayas,
Sandalwood born in the himalayas,
The pearls of the southern seas,
And corals from the eastern ocean,
The field of gangas &
the crops from the kaveri,
Foodstuffs from Myanmar,
pottery from Sri lanka
And other rare & rich imports.

Arpit Dixit
VIth A

Educational System in Morden era

" Educational administration is to enable the right pupils to recive the right education from the right teacher at a cost within the mean of the state under condition which will enable the pupils to profit by their training "It was said by Mr Graham Balfour long time back.

Educational administration is the dynamic side education. Tradition education system was designed primarily to serve as care taker, regulatory and supervisory role in era when the education and the world outside were moving slowly by today's space and when the size and diversity of educational tasks were smaller these were not desgine by planning in today's sense of the term, for implement such or for critical valuation for educational systems Performances or for vigorous promotion of innovation.

Educational administration must be directed towards the fulfillment of the objectives of the education as forth by the society. Educational philosophy sets the goals while the educational psychology.

Explain the principles of teaching.If the same time educational administrations deals with the educational practices. In the present scenerio govt of india is highly conscious about constitutional provisions of education' right to education' quality assurance agencis and educational bodies. Mainly three educational bodies are stup at a national and state level. At national level university grant commission research and training are setup. The educational bodies overall frame the road map of educational system in the country and the particular state.

Gaganjeet
VIII-A

Our Universe

Universe is the vast space that contains the solar system, stars, planets, satellite and everything one can think of the various stars, moons, planets and shooting stars that are a part of the universe are called heavenly bodies or celestial bodies many more heavenly bodies cannot be seen with the naked eye or even with a telescope as they are very far away stars are heavenly objects. that radiate light and heat continously which distinguishes them from other hevenly objects. Most stars appear as point objects because they are very far away from our earth.The sun is also a star.It appears as point objects because they are very far away from our earth the sun is also alpha century, which is at a distance of nearly 4.3 light years. stars are hot balls of gases filled with hydrpogen. Due to certain chemical reactions where hydrogen keeps changing to helium, a large amount of energy is liberated in the form of heat and light . A group of stars that form a recognizable pattern is called constellation

Vandana Bhatt
VIIth B

Life Without Math

Math
one word
Yet something needed in our
lives

What is life without math ?
Would there be no inspiration ?
Would this cause frustration ?
or even worse a generation,
without motivation.

I want to teach
see them succeed
Be the seed
that they need
This is my speed

Because math is like life
the short path like a linear function.
The long path like a consine function.

This is a challenge
To go to collage
And gain all that knowledge.

But I am determine
To get a degree
Because math,
Is what I love !

Gagan Jeet
VIIIth A

Social Media

Users typically access social media services via web-based technologies on desktops and laptops, or download services that offer social media functionlity to their mobile devices (e.g. smartphones and tablets). When engaging with these services, users can create highly individuals, communities, and organizations can share, co-create, discuss, and modify user- generated content or premade content posted online. they “introduce substantial and povasive changes to communication, and individuals. “Social Media changes the way individuals and large organizations communication. These changes are the focus of the emerging fields of technoself studies. Social media fever from paper based Media (e.g. magazines and newspaper) to traditional electronic media such as TV forecasting in many ways, including quality, reach, frequency, interactively, usability, immediately, and ferforce. Social media outlets in a dialogic transmision system. Some of the most popular social media websites are facebook, instagarm, whatsapp, Google+Myspace, pinterest, snapchat, tumbler, twitter, Viber, VK, Webchat and Wikia etc. These social Media websites have more then 100,000,000 registered users.

Khushi Velecha
Class- VIII-C

It's Called Mindset

As my friend was passing the elephants, he suddenly stopped, confused by the fact that these huge creatures were being held by only a small rope tied to their front leg. No chains, no cages, It was obvious that the elephants could at anytime, break away from the ropes they were tied to bnut for some reason, they didnot. My friend saw a trianer nearly and asked why these beautiful, magnificent animals first stood there and made no attempt to get away.

"Well, he said, "When they were very young and much smaller we use the same size of rope to tie them and, at that age, it's enough to hold them. As they grow up, they are conditioned to believe that they cannot break away. They believe the rope can still hold them, so they never try to break free." My friend was amazed. These animals could at any time break free from their bonds but because they believed they couldn't, they were struck right where they were.

Like the elephants, how many of us go through life hanging onto a belief that we cannot do something, simply because we failed at once before? So make an attempt to grow further .....

Why shouldn't we try it again?
Your attempt may fail, but never fail to make an attempt.

Kiran Bala Sharma
Primary Teacher